C. S. (Main) Exam : 2011

Sl. No.

D-DTN-L-IOA

HINDI

Paper I

(Literature)

Time Allowed : Three Hours | *Maximum Marks : 300*

INSTRUCTIONS

Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any ***three*** *of the remaining questions, selecting at least* ***one*** *question from each Section.*

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answers must be written in ***Hindi****.*

Section 'A'

1. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए : 20×3=60

   (क) देवनागरी लिपि का क्रमिक विकास।

   (ख) स्वतंत्रता आन्दोलन और हिन्दी।

   (ग) हिन्दी व्याकरण के सन्दर्भ में किशोरीदास वाजपेयी का योगदान।

(Contd.)

2. (अ) मध्यकाल में काव्यभाषा के रूप में अवधी के विकास को विवेचित कीजिए। 30

(ब) हिन्दी के विकास में उसकी प्रमुख बोलियों का योगदान निरूपित कीजिए। 30

3. (अ) रहीम की काव्यभाषा का स्वरूप और वैशिष्ट्य बताइए। 20

(ब) हिन्दी की वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली के अद्यतन विकास को निम्नलिखित सन्दर्भों में विवेचित कीजिए : 20×2=40

(क) व्यावसायिक शिक्षा।

(ख) मौलिक वैज्ञानिक लेखन।

4. (अ) हिन्दी के विकास में अपभ्रंश की भूमिका स्पष्ट कीजिए। 30

(ब) परिनिष्ठित हिन्दी के व्याकरणिक स्वरूप की विवेचना कीजिए। 30

Section 'B'

5. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए : 20×3=60

(क) भक्तमाल।

(ख) निराला की काव्य चेतना।

(ग) पद्मावत में लोकतत्व।

6. (अ) रीतिबद्ध काव्य और रीतिमुक्त काव्य में क्या अन्तर है ? स्पष्ट कीजिए। 30

(ब) जनकवि के रूप में नागार्जुन का मूल्याँकन कीजिए। 30

7. (क) हिन्दी साहित्य में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का वही महत्व है, जो उपन्यासकार प्रेमचन्द और कवि निराला का, आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं ? स्पष्ट कीजिए। 30,

(ख) प्रयोगवाद का हिन्दी कविता के विकास में क्या योगदान है ? स्पष्ट कीजिए। 30

8. (क) 'शब्द-काव्य की साधना के लिए वस्तु-काव्य का अनुशीलन परम आवश्यक है', इस कथन की व्याख्या कीजिए। 30

(ख) जैनेन्द्र की कहानी-कला की प्रमुख विशेषताएँ बताइए। 30